श्री महर्षि कॉलेज ऑफ वैदिक एस्ट्रोलॉजी

THE HARMONY OF SPACE AND ELEGENCE A UNIT OF SMCVA SOCIETY

ISO - 9001 : 2015 Certified

Reg. No. 17D/UDR/2009-2010

श्री महर्षि कॉलेज ऑफ वैदिक एस्ट्रोलॉजी

महर्षि वैदिक ज्योतिष महाविद्यालय ने अनुसंधान और सतत विकास में उत्कृष्टता प्राप्त करके प्राचीन भारतीय और चीनी कला के क्षेत्र में खुद को स्थापित किया है। पत्राचार पाठ्यक्रम (दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम) इस तरह से डिजाइन किए गए हैं ताकि शिक्षार्थी को इन विषयों का संपूर्ण ज्ञान सरल और समझने योग्य भाषा में दिया जा सके। पाठ्यक्रम इस तरह से डिजाइन किए गए हैं ताकि एक आम आदमी अपने घर पर अपनी सुविधानुसार अध्ययन करके एक विशेषज्ञ बन सके। संरचना और सामग्री प्रतिष्ठित शिक्षाविदों के पैनल द्वारा और एक औसत व्यक्ति की जरूरतों और समझ को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। वैदिक ज्योतिष महाविद्यालय इस क्षेत्र में पहला नहीं हो सकता है, लेकिन यह अपने दृष्टिकोण, अवधारणा, सामग्री, वितरण और प्रस्तुति में निश्चित रूप से अद्वितीय है, जो मूल मानव मनोविज्ञान को पूरा करने के लिए समर्पित और वर्णनात्मक तरीके से अपने भविष्य के बारे में अधिक से अधिक जानने के लिए अद्वितीय है। इस संपूर्ण पत्राचार पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद व्यक्ति इस विषय का विशेषज्ञ बन जाएगा और मानव की पीड़ा को दूर करने और उन्हें बेहतर जीवन शैली और भविष्य के लिए मार्गदर्शन करने की स्थिति में होगा। स्वायत्त रूप से पाठ्यक्रम अपनी अखंडता और प्रामाणिकता को सरल स्व-शिक्षण के साथ बनाए रखता है। वैदिक ज्योतिष महाविद्यालय का मिशन ज्योतिष, हस्तरेखा शास्त्र, वास्तु शास्त्र, फेंग शुई और चीनी ज्योतिष, रत्न चिकित्सा, अंक ज्योतिष और टैरो रीडिंग की अद्भुत दुनिया में आम आदमी की रुचि को प्रोत्साहित करना है। विभिन्न शैक्षणिक और व्यावसायिक पृष्ठभूमि के कई छात्रों ने कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी की है और उक्त क्षेत्रों में एक पेशेवर के रूप में बहुत अच्छा कर रहे हैं। गृहिणियों, छात्रों, इंजीनियरों, अधिवक्ताओं, व्यवसायी, सॉफ्टवेयर डेवलपर्स, आर्किटेक्ट्स, डॉक्टर्स, इंटीरियर डिज़ाइनर, प्रोफेसर, शिक्षक, दुकानदार, भक्त, टेक्नो क्राफ्ट, उद्योगपति आदि जैसी विविध पृष्ठभूमि के लोग दुनिया भर में कॉलेज के छात्र रहे हैं। वैदिक ज्योतिष महाविद्यालय की स्थापना ऊर्जा विज्ञान के विभिन्न विषयों पर ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। हमें पूरा विश्वास है कि हमारे प्रयास प्राचीन संस्कृतियों, परंपराओं, ज्ञान के बारे में पेशेवर जागरूकता पैदा करने और इन्हें लागू करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होंगे, ताकि व्यक्तियों और पूरे मानव समाज के लिए सद्भाव, शांति और समृद्धि लाई जा सके। दुनिया भर के कुलीन पेशेवरों और गुरुओं ने हमारे मिशन को अपनी स्वीकृति दी है और ऊर्जा विज्ञान के रहस्यों को उजागर करने के लिए अपनी बहुमूल्य सलाह और मार्गदर्शन का आश्वासन दिया है। कॉलेज का उद्देश्य ऐसी ऊर्जाओं के नकारात्मक प्रभावों से पीड़ित हर व्यक्ति को राहत और उपाय प्रदान करना है। इस प्रकार कॉलेज का उद्देश्य इस क्षेत्र में कई पेशेवरों को तैयार करना है।

सलाहकार बोर्ड

डॉ0 डी.पी. सिंह
दूरस्थ शिक्षा
जयपुर, राजस्थान
के पूर्व निदेशक

डॉ0 विकास चौहान
निदेशक

डॉ. वी.के. शुक्ला
लखनऊ, उत्तर प्रदेश,
अध्यक्ष, वास्तु रिसर्च ऑफ
इंडिया और वैदिक वास्तु
सूत्र के लेखक

डॉ. गोपाल सारस्वत
उदयपुर, राजस्थान
प्रख्यात ज्योतिषी और
वास्तु विशेषज्ञ

डॉ0 बी.डी. व्यास
महाराष्ट्र
शिक्षाविद्,
पेशेवर एवं मार्गदर्शक

राजेश परिहार
दुबई, संयुक्त अरब अमीरात
शिक्षाविद्,
पेशेवर एवं मार्गदर्शक

प्रवीण भाई अग्रवाल
वडोदरा, गुजरात
व्यवसायी, भक्त और
परामर्शदाता

सुब्रमण्यम पी.
बेंगलुरु, कर्नाटक
खगोल-वास्तु सलाहकार
& अनुसंधान कार्यकर्ता

डॉ0 अमनदीप
चंडीगढ़, हरियाणा
एमबीए
प्रबन्धन सुझावकर्त्ता

वेदांत शुक्ला
मुंबई, महाराष्ट्र
योग शिक्षक एवं उपचारकर्ता

डॉ. लोकेश राठौर
जोधपुर, राजस्थान
कवि, व्यंग्यकार और लेखक
(100 से अधिक पुस्तकों के
लेखक)

प्रह्लाद ढोलकिया
ज्योतिषी,
गुजरात चैप्टर

पंडित शशि भूषण शर्मा
ज्योतिष एवं वास्तु
विशेषज्ञ, अलवर राजस्थान

विशेषज्ञ बोर्ड

डॉ0 रुद्रेश. एम. शास्त्री
प्रधानाचार्य
ज्योतिष

डॉ0 आरती कपूर
विभागाध्यक्ष
ज्योतिष हिंदी

डॉ0 विजेंद्र एम.
ज्योतिष संकाय

डॉ0 पवन परमार
विभागाध्यक्ष ज्योतिष
गणित और नाड़ी ज्योतिष

डॉ0 शेफाली बंसल
विभागाध्यक्ष अंक ज्योतिष
और वास्तु

डॉ0 विनोद शर्मा
विभागाध्यक्ष
वास्तु

डॉ0 अनिल उपाध्याय
विभागाध्यक्ष
वास्तु

डॉ0 टिया बंसल
विभागाध्यक्ष
हस्तरेखा

डॉ0 रश्मि मोंगा
विभागाध्यक्ष
ज्योतिष अंग्रेजी

डॉ0 रिद्धि मेहता
विभागाध्यक्ष
टैरो रीडिंग

डॉ0 अमित आत्माराम
पीएचडी गाइड

डॉ0 गोका महेश
पीएचडी गाइड

डॉ0 यामिनी राजावत
पीएचडी गाइड

डॉ0 मेहुल सुथार
पीएचडी गाइड

डॉ0 हर्षद जोशी
पीएचडी गाइड

हमारी टीम

ज्योतिष

प्रसिद्ध अभ्यासरत ज्योतिषियों ने अध्ययन सामग्री के अनुक्रम, शैली और विषय-वस्तु का मार्गदर्शन किया है। उन्होंने व्यावहारिक और वास्तविक जीवन के उदाहरणों पर अमूल्य जानकारी भी दी है।

हस्तरेखा और फेस रीडिंग के विशेषज्ञ

पेशेवर हस्तरेखा और फेस रीडिंग के विशेषज्ञों ने पाठ्यक्रम बनाने में अपना समय और प्रयास दिया है। उनका अमूल्य योगदान निश्चित रूप से शिक्षार्थियों के क्षेत्र के लिए वरदान साबित होगा।

वास्तु शास्त्र

वास्तु विशेषज्ञों ने वैदिक-वास्तु के लिए शिक्षण सामग्री बनाने में योगदान दिया है। वैदिक-वास्तु वास्तव में ज्योतिषियों और वास्तु विशेषज्ञों का एक संयुक्त प्रयास है। यह संयोजन इस कला में महान अंतर्दृष्टि और ज्ञान प्रदान करेगा।

शिक्षाविद

बी.एड, एम.एड और पीएच.डी. सहित तकनीकी कर्मचारियों ने कॉलेज को शिक्षण की शैली को ढालने और पाठ्यक्रम को छात्र के अनुकूल तरीके से प्रस्तुत करने में मदद की है। उन्होंने विशेष रूप से इस्तेमाल की जाने वाली भाषा और समझ में आ सकने शैली का प्रयोग किया है।

लेखक और अनुवादक

अनुभवी लेखकों ने पाठ्यक्रम और अध्ययन सामग्री को समझने और समझानें के उद्देश्य से आसान बनाया है। अनुवादकों ने बिना किसी अर्थ की हानि के सामग्री को दूसरी भाषा में अनुवाद करके एक उत्कृष्ट काम किया है।

प्रबंधन कार्यकारिणी

एम.बी.ए. और प्रबंधन के जानकार पेशेवर महर्षि वैदिक ज्योतिष महाविद्यालय का पेशेवर प्रबंधन करते हैं। पुस्तकों को छात्रों तक पहुँचाना, छात्रों की शंकाओं का समाधान, उत्तर प्रस्तुत करने में तत्परता और इस तरह के अन्य प्रबंधन इस टीम की देखरेख में नियंत्रित और प्रबंधित किए जाते हैं।

अनुसंधान और विकास

अनुसंधान और विकास टीम ने वास्तविक जीवन के उदाहरणों को इकट्ठा करने, उनका विश्लेषण करने, उन्हें संग्रहीत करने और प्रस्तुत करने के लिए गहन अध्ययन और अनुसंधान किया है।

ग्राफ़िक डिज़ाइनर/ कलाकार

पेशेवर कलाकार और विशेषज्ञ ग्राफिक डिजाइनरों ने पाठ्यक्रम के लिए कलात्मक आरेख, चार्ट, आंकड़े और प्रस्तुतियाँ तैयार करके विषय को आसानी से सीखने में सहायता करके योगदान दिया है। उन्होंने हस्तरेखा विज्ञान में 1000 से अधिक आरेखों का योगदान दिया है। ज्योतिष और खगोल-वास्तु को भी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों और आंकड़ों द्वारा अच्छी तरह से समर्थित किया गया है।

हमारा उद्देश्य

- भविष्य के बारे में जानकारी प्रदान करना।
- मानवता के दुखों को कम करना।
- वास्तु, हस्तरेखा और ज्योतिष को पाठ्यक्रम के रूप में प्रचारित करना।
- उक्त क्षेत्रों में परामर्शदाता तैयार करना।
- औपचारिक डिग्री के साथ-साथ मूल्यवर्धित डिप्लोमा को बढ़ावा देना।
- वास्तु, हस्तरेखा और ज्योतिष के वास्तविक पहलुओं को वैश्विक स्तर पर सामने लाना।

हमारी संबद्धताऐं (Our Affiliations)

- नीति आयोग भारत सरकार के अंतर्गत पंजीकृत।
- राजस्थान सरकारी संस्थान अधिनियम 1958 - 17D/UDR/2009 - 2010 के अंतर्गत पंजीकृत।
- IAMA इंटरनेशनल ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ़ फ़्लोरिडा - USA से संबद्ध।
- यूनिवर्सिटी ऑफ़ नेशंस (UNACCC) - USA द्वारा मान्यता प्राप्त।
- इंटरनेशनल एस्ट्रोलॉजी फ़ेडरेशन (IAF) - USA के आजीवन सदस्य।
- दूरस्थ शिक्षा के लिए ISO प्रमाणित 9001:2015 - गुणवत्ता उत्कृष्टता।
- दूरस्थ शिक्षा के लिए वीआरसी प्रमाणित 9001:2015 - गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली।
- दूरस्थ शिक्षा के लिए क्यूआरओ प्रमाणित 9001:2015 - गुणवत्ता अनुसंधान संगठन।
- आयकर अधिनियम 1961 के 80 जी और 12 एए के तहत पंजीकृत।

सहयोगी संस्थाऐं (Our Collaborations)

- पेपर प्रकाशन पर आजीवन सहयोग - ज्योतिष अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।
- वैदिक परामर्श प्लेसमेंट पर आजीवन सहयोग - वैदिक बोधि
- टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड।
- वैदिक परामर्श प्लेसमेंट पर आजीवन सहयोग - एस्ट्रोयोगी - नेटवे भारत।

डिप्लोमा कोर्स

कॉलेज विभिन्न विषयों में डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम प्रदान करता है। पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा पद्धति पर आधारित होंगे, जिसमें पाठ्य पुस्तकों, परियोजनाओं, परियोजना दिशा-निर्देशों, केस स्टडी आदि जैसे अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए उपकरणों का समर्थन होगा।

ज्योतिष में डिप्लोमा (DIA) (अवधि- 6 महीने)

मॉड्यूल - 1

यह मॉड्यूल छात्रों को ज्योतिष की मूल बातों से परिचित कराएगा। मंगला चरण (प्रार्थना) से शुरू होकर, इसमें वैज्ञानिक अनुप्रयोग, भारतीय अवलोकन, ज्योतिष के पाँच स्तंभ, पुरुष नक्षत्र आदि शामिल होंगे। मॉड्यूल 1 के पूरा होने पर छात्र विषय से परिचित होंगे और ज्योतिषीय शब्दावली से सहज महसूस करेंगे।

मॉड्यूल - 2

यह मॉड्यूल विद्यार्थियों को नौ ग्रहों, उनके महत्व, व्यवहार, प्रभाव आदि के बारे में जानकारी देगा। यह मॉड्यूल कुंडली में विभिन्न भावों और उनसे क्या देखना है, इस पर भी प्रकाश डालेगा। मॉड्यूल 2 को पूरा करने के बाद विद्यार्थियों के पास ज्योतिष का एक मजबूत मंच होगा।

मॉड्यूल - 3

यह मॉड्यूल कुंडली में विभिन्न स्थानों पर ग्रहों के प्रभावों से निपटेगा। यह किसी के रूप, शारीरिक विशेषताओं, पेशे, स्वास्थ्य, पसंद और नापसंद, धन, नौकरी या व्यवसाय, बच्चों, जीवनसाथी आदि पर पड़ने वाले प्रभावों का गहन विश्लेषण देगा। मॉड्यूल 3 के पूरा होने पर विद्यार्थी कुंडली में विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण और देखने में सक्षम होंगे।

मॉड्यूल - 4

यह मॉड्यूल कुंडली में विभिन्न स्थानों पर राशियों के प्रभावों से निपटेगा। इसमें इन राशियों के आधार पर विशेष संयोजनों को भी शामिल किया जाएगा। मॉड्यूल 4 छात्रों को और अधिक व्यावहारिक और उन्नत अवधारणाएँ प्रदान करता है, जो उन्हें व्यवस्थित और उन्नत अवधारणाएँ सीखने के लिए प्रेरित और मदद करेगा।

मॉड्यूल - 5

यह मॉड्यूल छात्रों को दशाओं की समझ के माध्यम से समय के सापेक्ष प्रभावों को दिखाएगा। छात्र विभिन्न महादशा, अंतरदशा, प्रत्यंतर दशा और सुखमा प्रत्यंतर दशा के आधार पर 20 वर्ष से 2 महीने तक के समय के प्रभावों का अध्ययन करेंगे। मॉड्यूल 5 के पूरा होने पर, छात्र अपने अध्ययन में एक नया आयाम जोड़ेंगे, वह है समय।

मॉड्यूल - 6

यह मॉड्यूल छात्रों को अंतिम मील का जोर देगा ताकि वे व्यावहारिक रूप से कुंडली पढ़ सकें। यह मॉड्यूल छात्रों को कई व्यावहारिक दिशानिर्देशों के साथ कुंडली पढ़ने की शुरुआत करेगा। मॉड्यूल 6 के पूरा होने पर, छात्रों को ज्योतिष में ज्ञान और आत्मविश्वास प्राप्त होगा ताकि वे कुंडली पढ़ने की अपनी यात्रा में आगे बढ़ सकें।

मॉड्यूल - 7

यह मॉड्यूल कुंडली में ग्रहों, राशियों और स्थानों के सभी योगों (संयोजन) को कवर करता है। योग वास्तविक गहन विश्लेषण और सटीक भविष्यवाणी के साथ विषय की अग्रिम समझ प्रदान करेगा। मॉड्यूल 7 के पूरा होने पर, छात्र विभिन्न सूक्ष्म और महत्वपूर्ण संयोजनों को देख पाएंगे जो पूरे परिदृश्य में एक नया रूप लाते हैं।

मॉड्यूल - 8

यह मॉड्यूल वर्तमान परिदृश्य में ग्रहों की स्थिति के आधार पर तुलना और भविष्यवाणियों को शामिल करता है जो जन्म के समय की स्थिति थी। इस मॉड्यूल में छात्र ग्रहों की नवीनतम और दिन-प्रतिदिन की चाल और उनके आधार पर भविष्यवाणियों में महारत हासिल करेंगे। मॉड्यूल 8 छात्रों को वर्तमान समय-सीमा के बारे में जानकारी देगा।

मॉड्यूल - 9

इस मॉड्यूल में सभी नक्षत्रों को उनके चरणों (भागों) के साथ कवर किया गया है, इन नक्षत्रों में जन्मे लोगों पर उनका क्या प्रभाव पड़ता है। यह इन पर आधारित भविष्यवाणियों पर भी प्रकाश डालेगा और साथ ही विभिन्न समाधानों पर भी प्रकाश डालेगा। इस पहलू पर गहराई से विचार करने से उन छात्रों को लाभ होगा, जिन्हें दक्षिण भारतीय ज्योतिषी आकर्षित करते हैं।

मॉड्यूल - 10	मॉड्यूल - 11	मॉड्यूल - 12
यह मॉड्यूल कुंडली में विभिन्न दोषों या दोषों को कवर करता है। कवर किए गए प्रमुख दोष पितृ दोष, नाड़ी दोष आदि हैं। यह इस बात पर प्रकाश डालेगा कि वे क्यों हुए, उनके क्या नकारात्मक प्रभाव हैं और इन दोषों के लिए व्यावहारिक और लागू समाधान क्या हैं। संभवतः सबसे शक्तिशाली, सबसे सच्चा और सबसे परिणाम उन्मुख कला, जिसका अध्ययन छात्र अपने वातावरण में कर सकते हैं और पुष्टि कर सकते हैं।	यह मॉड्यूल विशेष रूप से दोषों या दिन-प्रतिदिन की समस्या के आधार पर सुझाए जा सकने वाले विभिन्न समाधानों पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह एक विशाल विषय होगा जिसमें क्रिस्टल, कीमती रत्न, विभिन्न पूजा, जप, सरल समाधान, दान, मंत्र, यंत्र आदि शामिल होंगे। एक विस्तृत और जानकारीपूर्ण विषय जिससे छात्रों को कुंडली के अच्छे विश्लेषण के बाद बेसब्री से मांगे जाने वाले समाधान खोजने और सुझाने में मदद मिलेगी।	प्रोजेक्ट- यह मॉड्यूल छात्रों के लिए ज्योतिष पर एक प्रोजेक्ट और गहन विश्लेषण होगा। इसमें व्यावहारिक पहलुओं को शामिल किया जाएगा जैसे कि राशिफल पढ़ते समय कब या क्या लागू करना है ताकि वे खुद महसूस कर सकें कि एक प्रसिद्ध ज्योतिषी के पास क्या गहराई है। इस मॉड्यूल को पूरा करने के बाद छात्रों के पास पर्याप्त ज्ञान और आत्मविश्वास होगा ताकि वे चाहें तो समाज में एक ज्योतिषी के रूप में खुद को स्थापित कर सकें।

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
ज्योतिष में डिप्लोमा कोर्स	पूर्ण भुगतान	7000	-	7000
	किश्त विधि	4000	4000	8000

वैदिक वास्तु शास्त्र में डिप्लोमा (DIV) (अवधि- 6 महीने)

मॉड्यूल - 1	मॉड्यूल - 2	मॉड्यूल - 3
4 योग, 10 अवतार, वैदिक परंपरा, वेद और उनके उप-वेद, स्थापत्य वेद - निर्माण का विज्ञान, वास्तु शास्त्र पर प्राचीन शास्त्र, वास्तु शास्त्र का वैज्ञानिक सिद्धांत, वास्तु का अनुप्रयोग, वास्तु पुरुष, 5 तत्व और 10 दिशाएँ।	बुनियादी ड्राइंग कौशल, वैदिक, आधुनिक और सामान्य तकनीकों का उपयोग करके दिशाओं का पता लगाना, उपकरणों का उपयोग करना, कम्पास दिशाएँ, बुनियादी गणितीय सूत्र, चित्र और क्षेत्र योजनाएँ बनाना, घरों, कार्यालयों, कारखानों आदि के मानचित्रों का अध्ययन और लुप्त और विस्तारों का पता लगाना।	प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनुकूल शहर, कॉलोनी, स्थान चुनने के ज्योतिषीय पहलू, गलत चयन के लिए उपचारात्मक उपाय, पर्यावरणीय प्रभाव, उपयुक्त स्थान ढूँढना, पर्यावरण की भौतिक विशेषताएँ और विभिन्न गुणों पर इसका प्रभाव आदि।

मॉड्यूल - 4	मॉड्यूल - 5	मॉड्यूल - 6
मिट्टी की जाँच, भूमि की अशुद्धियाँ ढूँढना, आदर्श स्थान का चयन, निर्माण शुरू करना, मिट्टी को चार्ज करने की प्रक्रिया, शुभ समय पर निर्माण शुरू करने के ज्योतिषीय सूत्र आदि।	प्लेसमेंट भाग- I : प्लॉट में बिल्डिंग, बाउंड्री वॉल, भूमिगत टैंक, कुआं, बोरवेल, उनसे संबंधित प्रक्रियाएं, सेप्टिक टैंक, दरवाजे की प्लेसमेंट, पेड़-पौधों की प्लेसमेंट, शुभ और अशुभ पौधे, वास्तु पुरुष मंडल, आदि।	प्लेसमेंट भाग- II : निर्माण संबंधी पहलू, ब्रह्मस्थान, बीम, खंभे, बिल्डिंग लेआउट, ऊंचाई, बेडरूम, ड्राइंग रूम, किचन, बाथरूम, शौचालय, पार्किंग, पूजा कक्ष, बालकनी, आदि।

मॉड्यूल - 7	मॉड्यूल - 8	मॉड्यूल - 9
प्लेसमेंट भाग- III: इंटीरियर डिजाइनिंग पहलू, विभिन्न कमरों में रंग, उपयोग की जाने वाली सामग्री, एयर कंडीशनर, बिजली के स्विच, बैटरी, इनवर्टर, बेड, सोफा सेट, डाइनिंग टेबल, अन्य फर्नीचर, विभिन्न रसोई डिजाइन, फर्श आदि।	उत्तर, उत्तर-पूर्व, पूर्व, दक्षिण-पूर्व, दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम, उत्तर-पश्चिम जैसी प्रत्येक दिशा के लिए आदर्श प्लेसमेंट योजनाएँ। इन दिशाओं में शुभ और अशुभ विशेषताएं।	ज्योतिषीय पहलू- प्रत्येक व्यक्ति के लिए उनकी राशि और जन्म नक्षत्र के आधार पर उपयुक्त रंग और कारक दिशा, इनमें से प्रत्येक व्यक्ति के लिए आदर्श प्लेसमेंट योजनाएँ।

मॉड्यूल - 10	मॉड्यूल - 11	मॉड्यूल - 12
ज्योतिषीय पहलू- प्रत्येक व्यक्ति के लिए उनकी राशि और जन्म नक्षत्र के आधार पर उपयुक्त रंग और कारक दिशा, इनमें से प्रत्येक व्यक्ति के लिए आदर्श प्लेसमेंट योजनाएँ।	आदर्श लेआउट योजना और व्यवस्था - भाग I: घर, फ्लैट, दुकानें, कारखाने, स्कूल, रो-हाउस, फार्म हाउस, मैरिज हॉल, गार्डे, ट्री हाउस, डुप्लेक्स, आदि	आदर्श लेआउट योजना और व्यवस्था - भाग II: वाणिज्यिक परिसर, अस्पताल, आवासीय परिसर, होटल, रेस्तरां, कॉलोनी, आवास विभाग सोसायटी, आदि।

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
वैदिक वास्तु शास्त्र में डिप्लोमा कोर्स	पूर्ण भुगतान	7000	-	7000
	किश्त विधि	4000	4000	8000

अंक ज्योतिष में डिप्लोमा (DIN) (अवधि- 6 महीने)

श्री महर्षि कॉलेज ऑफ वैदिक एस्ट्रोलॉजी अपने छात्रों को संख्याओं की यह आकर्षक और शक्तिशाली कला प्रदान करता है जिसके माध्यम से छात्र व्यक्तियों, उनके स्वभाव, पसंद, धन, कैरियर, स्वास्थ्य, भाग्य उदय आदि के बारे में भविष्यवाणी करना सीखेंगे। इसके अलावा, वे इसके लिए शक्तिशाली और आसानी से लागू होने वाले उपचारात्मक समाधान सुझा सकते हैं, श्री महर्षि कॉलेज ऑफ वैदिक एस्ट्रोलॉजी अंक ज्योतिष पर ऐसा पाठ्यक्रम प्रदान करता है जिसमें ग्रीक, मिस्र, हिब्रू, कबला, चीनी, भारतीय और अंक ज्योतिष की पश्चिमी प्रणालियाँ शामिल हैं।

मॉड्यूल - 1	मॉड्यूल - 2	मॉड्यूल - 3
अंक और उनका विकास, अंकों के प्रकार, अंकशास्त्र का विकास, अंकशास्त्रीय प्रणाली, प्राचीन वैदिक अंकशास्त्र, संख्याओं का मनुष्य पर प्रभाव, आदि। मूल अंक, मूल अंक की गणना करने का सूत्र, व्यक्तित्व, स्वभाव, स्वास्थ्य पहलू, चरित्र, वाहक, आदि। भाग्य अंक और उसका प्रभाव। हिब्रू, ग्रीक, पश्चिमी, वैदिक, रोमन, कबाला, मिस्र आदि अंकशास्त्रीय तकनीकें।	अंक और ग्रह, ग्रह और उनके अंक, 9 ग्रह, उनका प्रभाव, गौत्र, वाहन, उनके ज्योतिषिय रूप, तत्व, नक्षत्र, राशि, लिंग, मानव पर ग्रहों से संबंधित अंकों के प्रभाव एवं उनसे संबंधित रोग और अंग, उनके नियंत्रक अंक, संबंध, दिन, तिथियां, पहलू, रत्न, दिशा, राशि चिह्न, मित्र और अंक, अंकों और ग्रहों से संबंधित धार्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण आदि।	पंचतत्व - जल तत्व, अग्नि तत्व, पृथ्वी तत्व, धातु/भूमि तत्व, काष्ट तत्व, पंचतत्वों से संबंधित दिशा, रंग और ऋतु, प्रधान अंक की गणना की विधियाँ, अंक और तत्वों पर आधारित नौ व्यक्तित्व, नौ गृह, गृहों की स्थितियाँ ज्ञात करना, समय का प्रभाव, गणना विधियाँ, वार्षिक भविष्यवाणियां, मासिक भविष्यवाणियां आदि।

मॉड्यूल - 4	मॉड्यूल - 5	मॉड्यूल - 6
मिश्रित अंक, मिश्रित अंकों पर आधारित दर्शन, मिश्रित अंकों की शक्ति और प्रभाव, मिश्रित अंकों पर आधारित प्रकृति, प्रभाव आदि, भाग्य, चुनौतियां, मोड़, अंकशास्त्र की ग्रीक प्रणाली।	अंक और, अक्षरों के लिए संख्या प्रणाली, विभिन्न पहलुओं के लिए अंकशास्त्रीय चुनना, विवाह, फैक्ट्री, घर, से, संगठन, साझेदारी फर्म आदि के लिए नाम।	वार्षिक भविष्यवाणी, अच्छे और बुरे साल, भाग्य वृद्धि आयु, अंकशास्त्रीय चार्ट, भाग्य, जीवन चक्र, अंकशास्त्रीय कुंडली बनाना, व्यावहारिक उदाहरण, केस स्टडी और वास्तविक परियोजना आदि।

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
अंक ज्योतिष में डिप्लोमा	पूर्ण भुगतान	7000	-	7000
	किश्त विधि	4000	4000	8000

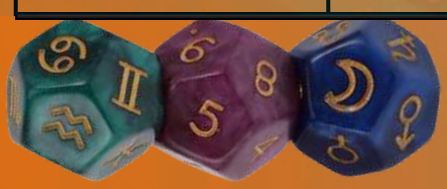

हस्तरेखा विज्ञान में डिप्लोमा (DIN) (अवधि- 6 महीने)

मॉड्यूल - 1	मॉड्यूल - 2	मॉड्यूल - 3
मंगलाचरण, हस्तरेखा शास्त्र का परिचय, प्राचीन भारतीय हस्तरेखा शास्त्र, हस्तरेखा शास्त्र की शाखा, हस्तरेखा शास्त्र के पाश्चात्य विद्वान, हस्तरेखा शास्त्र बनाम ज्योतिष शास्त्र, हस्तरेखा शास्त्र के लाभ, हस्तरेखा शास्त्र के मूल नियम- पात्रता, समय, स्थान, विधि, आवश्यक सामग्री, आदि। प्रथम मॉड्यूल पूरा करने के पश्चात, छात्र हस्तरेखा शास्त्र की मूल अवधारणाओं को समझने में सहज हो जाएंगे।	हथेली और शरीर का तुलनात्मक अध्ययन, हथेली के प्रकार और उनका आकार, त्वचा और रंग का प्रभाव। हाथ का विश्लेषण, हाथ की विशेषताएं, आकार, त्वचा, त्वचा का रंग, हाथ का लचीलापन, हाथ की मूल बनावट, हाथ पर बाल आदि। दूसरे मॉड्यूल में हाथ के बहुत ही व्यावहारिक पहलुओं को शामिल किया गया है। छात्र दूसरे मॉड्यूल की अवधारणाओं को समझने के तुरंत बाद हाथों को देखना, महसूस करना और उनका विश्लेषण करना शुरू कर सकेंगे।	उंगलियों के आकार, उंगलियों के प्रकार, त्वचा के रंग और उंगलियों में दूरी का प्रभाव, पर्वत, नाखूनों का प्रकार और उनका महत्व आदि। अंगूठे के प्रकार, अंगूठे का महत्व, विभिन्न प्रकार के अंगूठे का विश्लेषण, जातक पर अंगूठे का प्रभाव। इस मॉड्यूल में अंगूठे और उंगलियों का गहन विश्लेषण शामिल है। यह मॉड्यूल इस अद्भुत विषय पर महारत हासिल करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

मॉड्यूल - 4	मॉड्यूल - 5	मॉड्यूल - 6
हाथ का विश्लेषण - विभिन्न ग्रहों के पर्वत जैसे सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शनि और शुक्र। इन पर्वतों का मनुष्य पर प्रभाव और इन पर्वतों के आधार पर भविष्यवाणियाँ।	हाथ की रेखाओं का परिचय, जीवन रेखा का मूल अध्ययन, जीवन रेखा को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक और इससे संबंधित भविष्यवाणियाँ। जीवन रेखा के संबंध में अन्य विशेषताओं के प्रभाव।	हृदय रेखा का परिचय, हृदय रेखा का मूल अध्ययन, हृदय रेखा को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक, हृदय रेखा और इससे संबंधित भविष्यवाणियाँ। हृदय रेखा के संबंध में अन्य विशेषताओं के प्रभाव।

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
हस्तरेखा विज्ञान में डिप्लोमा	पूर्ण भुगतान	7000	-	7000
	किश्त विधि	4000	4000	8000

टैरो रीडिंग में डिप्लोमा (DIT) (अवधि- 6 महीने)

टैरो अंतर्ज्ञान, कौशल और ज्ञान के संयोजन के साथ भविष्य बताने की एक सचित्र प्रणाली है। यह किसी के सवालों के जवाब देने और सही निर्णय लेने में मदद करने की एक बहुत ही प्रभावी और लोकप्रिय प्रणाली है। टैरो एक बहुत ही शक्तिशाली भविष्यवाणी पद्धति है जिसके माध्यम से एक व्यक्ति अपने सभी सवालों के जवाब जान सकता है और उसे किस मार्ग पर चलना है। टैरो भविष्यवाणी की एक विधि है जो किसी व्यक्ति की स्थिति का पूर्वानुमान लगाने या उसका अवलोकन करने में मदद करती है। टैरो चेतन और अचेतन ज्ञान के बीच एक सेतु का काम करता है। टैरो रीडिंग एक प्राचीन तकनीक है जो अब पूरी दुनिया में बहुत लोकप्रिय और स्वीकृत है।

मॉड्यूल - 1	मॉड्यूल - 2	मॉड्यूल - 3
इस मॉड्यूल में विभिन्न भविष्यवाणी विधियों का परिचय दिया जाएगा। यह छात्रों को टैरो प्रतीकवाद और टैरो रीडिंग प्रथाओं की मूल बातें समझाएगा।	इस मॉड्यूल का उद्देश्य टैरो कार्ड और इसकी विभिन्न व्याख्याओं को समझाना है। इसमें टैरो कार्ड का उपयोग करके भविष्यवाणी सिखाने वाली कई तकनीकें भी शामिल होंगी।	यह मॉड्यूल आगे और अधिक टैरो कार्ड को उनकी व्याख्याओं के साथ पेश करता है। फिर से इसमें टैरो कार्ड का उपयोग करके भविष्यवाणी, व्याख्या और गहरे अर्थों की कई तकनीकों को भी शामिल किया जाएगा।

मॉड्यूल - 4	मॉड्यूल - 5	मॉड्यूल - 6
यह एक बहुत ही उन्नत और व्यावहारिक हिस्सा है जो कई सवालों के समाधान और पूछताछ के लिए टैरो रीडिंग के लिए कई प्रकार के स्प्रेड को कवर करता है। यह पिछले प्रभावों, वर्तमान स्थिति और भविष्य के रुझानों को जानना भी सिखाता है। इस मॉड्यूल में टैरो और ज्योतिष, टैरो और वास्तु, टैरो और फेंग शुई और उपचारात्मक पहलुओं जैसे उन्नत विषयों को भी शामिल किया गया है।	रत्न, क्रिस्टल और पत्थरों के साथ टैरो: यह मॉड्यूल कीमती और अर्ध-कीमती पत्थरों का उपयोग करके टैरो रीडिंग को कवर करता है। चूंकि क्रिस्टल कंपन को पकड़ते हैं इसलिए वे टैरो रीडिंग करने के लिए बहुत प्रभावी उपकरण हैं। इस मॉड्यूल में क्रिस्टल को जानना, उनकी सफाई और टैरो रीडिंग के लिए तैयारी करना भी शामिल होगा।	वैदिक टैरो विधियाँ: वैदिक टैरो में कई पुरानी प्राचीन तकनीकें शामिल हैं जिनका उपयोग प्राचीन समय में भविष्यवाणी और भविष्य बताने के लिए किया जाता था। इसके अलावा, विधियाँ, अभ्यास और तकनीकें सीखें और एक शक्तिशाली टैरो रीडर बनने के लिए अपने अंतर्ज्ञान और छठी इंद्री को बढ़ाएँ या जागृत करें।

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
टैरो रीडिंग में डिप्लोमा	पूर्ण भुगतान	7000	-	7000
	किश्त विधि	4000	4000	8000

फेंग शुई ज्योतिष में डिप्लोमा (DIF) (अवधि- 6 महीने)

फेंग शुई एक प्राचीन चीनी कला है जो 5 तत्वों, स्वर्ग (कान) और पृथ्वी (यु) की ऊर्जा को मानव के लाभ के लिए चैनलाइज़ करती है। फेंग शुई सार्वभौमिक नियमों जैसे पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण, पृथ्वी की गति, इसकी धुरी पर झुकाव आदि पर आधारित है, जिसके कारण फेंग शुई को सार्वभौमिक रूप से लागू किया जा सकता है चाहे वह भारत, चीन, अमेरिका, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया या कोई अन्य देश या महाद्वीप हो। फेंग शुई का उद्देश्य सरल प्रतीकात्मक उपचार और प्लेसमेंट के साथ शुभ और सकारात्मक वातावरण बनाना है क्योंकि यह संपत्ति में भारी संरचनात्मक परिवर्तनों की अनुशंसा नहीं करता है। इस कारण से फेंग शुई को वास्तु शास्त्र के एक बहुत सस्ते, प्रभावी और लागू करने में आसान विकल्प के रूप में विकसित किया गया है। आज कई वास्तु विशेषज्ञ संपत्तियों के उपचार के लिए फेंग शुई उपचार का उपयोग कर रहे हैं। दुनिया भर में आर्किटेक्ट, इंटीरियर डिज़ाइनर, इंजीनियर, ज्योतिषी और कई अन्य तकनीशियन अपने काम को अपने ग्राहकों के लिए अधिक प्रभावी और फायदेमंद बनाने के लिए फेंग शुई के नियमों को लागू कर रहे हैं। फेंग शुई न केवल घरों में काम करता है बल्कि यह कारखानों, कार्यालयों, स्कूलों, अस्पतालों, गोदामों, दुकानों आदि में प्रकृति की ऊर्जा के सकारात्मक परिणाम उत्पन्न करने में भी मदद करता है। श्री महर्षि कॉलेज भारत का एकमात्र संस्थान है जो मूल कैंटोनीज़ चीनी में फेंग शुई के कम्पास स्कूल के मूल सिद्धांतों को प्रस्तुत करता है जिसका श्री महर्षि कॉलेज के विशेषज्ञों द्वारा अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है। साथ ही, श्री महर्षि कॉलेज अपने छात्रों को बुनियादी रूप से स्कूल फेंग शुई और तुंग शु (चीनी पंचांग या पंचांग) पढ़ना सिखाएगा। संस्थान का फेंग शुई पाठ्यक्रम चीनी ज्योतिष के पैकेज के साथ है जो छात्रों को चीनी राशिफल बनाने और उसके आधार पर सुझाव देने में सक्षम बनाता है। छात्र लो-पैन (चीनी कम्पास) सीखेंगे जिसमें कई छल्ले और कई शैलियाँ हैं। संस्थान विभिन्न प्राचीन किन्तु शक्तिशाली चीनी सूत्रों पर प्रशिक्षण प्रदान करता है, जो स्वर्गीय और पृथ्वी स्वर्ग अनुक्रमों, सैम यूएन उड़ते सितारों आदि पर आधारित हैं। फेंग शुई और चीनी ज्योतिष पर पाठ्यक्रम छात्रों को ऊर्जा संतुलन, बर्ग पुनर्गठन और ऊर्जा चैनल गायन के क्षेत्र में प्रतिभाशाली बना देगा, जो फेंग शुई अवधारणाओं पर आधारित है, जो पिछले 500 दशकों से प्रभावी साबित हुए हैं।

मॉड्यूल - 1	मॉड्यूल - 2	मॉड्यूल - 3
उत्तर, उत्तर-पूर्व, पूर्व, दक्षिण-पूर्व, दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम, उत्तर-पश्चिम जैसी प्रत्येक दिशा के लिए आदर्श स्थान योजनाएँ। इन दिशाओं में शुभ और अशुभ विशेषताएँ।	पर्यावरण वास्तु पर्यावरण के प्रति जागरूक डिज़ाइन, ग्रह और उनके गुण, उपयोग; उपयोगी जड़ी-बूटियाँ, वास्तु के अनुसार उपयोगी पेड़, पौधे, पेड़ और झाड़ियों का उपयोग करके वास्तु सुधार।	मूलभूत ड्राइंग, मानचित्र पढ़ना, कम्पास दिशाएँ ढूँढना, मानचित्र में विवरण अंकित करना, पौधे, विथु विन्यास, ब्रह्मस्थान का पता लगाना, द्वार और गेट की स्थिति निर्धारित करना, जटिल प्लॉट, गुम और विस्तार और प्रभाव।

मॉड्यूल - 4	मॉड्यूल - 5	मॉड्यूल - 6
फेंग शुई अवधारणाएँ, ताई-ची, आकाशीय ऊर्जाएँ और स्थान, उनमें मूल आकृतियाँ और ऊर्जा प्रवाह, सकारात्मक और नकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा, कंपन समाशोधन पहलू, आदि।	फेंग शुई और स्थान, फेंग शुई के आधार पर साइट का चयन, फेंग शुई सिद्धांतों पर साइट के चयन के लिए मुख्य पहलू, लो-शु चार्ट और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों पर इसका अनुप्रयोग, अवलोकन के आधार पर घर में समस्याओं की भविष्यवाणी करना, आदि।	घर के आंतरिक पहलू, फेंग शुई सिद्धांतों के अनुसार स्थान, शुभ और अशुभ दिशाएँ, फेंग शुई में उपयोग किए जाने वाले आयाम आदि। फेंग शुई में डिप्लोमा के समान।

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
फेंग शुई ज्योतिष में डिप्लोमा	पूर्ण भुगतान	7000	-	7000
	किश्त विधि	4000	4000	8000

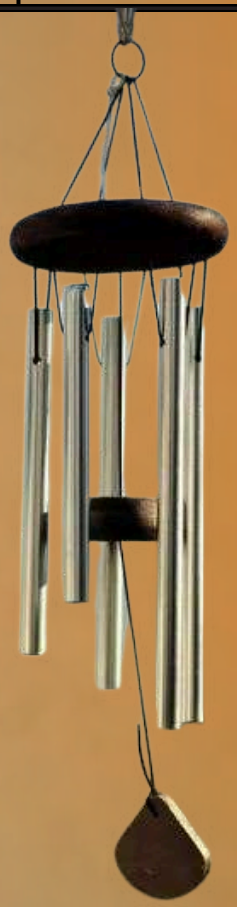

रत्न और क्रिस्टल में डिप्लोमा (DIG) (अवधि- 6 महीने)

रत्न और अर्ध-कीमती पत्थर (जिन्हें लोकप्रिय रूप से क्रिस्टल कहा जाता है) हमेशा से जुनून, धन, वैभव और कीमतीपन की वस्तु रहे हैं। रत्न और क्रिस्टल श्रेष्ठता, धन, श्रेष्ठता और चमक का सबसे अच्छा संकेत हैं। रत्न और क्रिस्टल तीन आयामी होते हैं जो धरती माता में प्रचुर मात्रा में बनते हैं। वे कई उपचारात्मक तरीकों से शुद्ध प्रकाश और रंग को संग्रहीत करने, परावर्तित करने और प्रसारित करने में सक्षम हैं। उन्हें किसी की ज़रूरत के अनुसार बदला, सक्रिय और प्रोग्राम किया जा सकता है। रत्न और क्रिस्टल मानव के लिए उपलब्ध सबसे अच्छे उपचार उपकरणों में से एक साबित होते हैं। रत्न और क्रिस्टल उत्प्रेरक की तरह काम करते हैं। जब उन्हें पहना या धारण किया जाता है तो वे आध्यात्मिक संबंध बनाकर मानव आत्मा से जुड़ाव रखते हैं। रत्न और क्रिस्टल के कुछ अनुप्रयोग हैं जो आपको ज्ञात हो सकते हैं जैसे किसी विशेष ग्रह की शक्ति बढ़ाना, आदि। लेकिन श्री महर्षि कॉलेज ऑफ वैदिक एस्ट्रोलॉजी में हम छात्रों को रत्न और क्रिस्टल के अज्ञात और छिपे हुए लेकिन बहुत शक्तिशाली अनुप्रयोग सिखाते हैं जैसे कि उपचार, मनोविज्ञान में अनुप्रयोग, आध्यात्मिक भर्ती, बीमारियों का इलाज, एकाग्रता और स्मृति में सुधार, आदि। वास्तु शास्त्र, फेंग शुई, टैरो रीडिंग, ज्योतिष, अंकशास्त्र, हस्तरेखा विज्ञान आदि जैसे अन्य तकनीकों और विषयों पर रत्न और क्रिस्टल के विभिन्न अनुप्रयोग भी विस्तार से कवर किए जाएंगे। श्री महर्षि कॉलेज ऑफ वैदिक एस्ट्रोलॉजी संभवतः भारत का एकमात्र संस्थान है जो रत्न और क्रिस्टल पर इतनी विशाल सामग्री प्रदान करता है।

मॉड्यूल - 1	मॉड्यूल - 2	मॉड्यूल - 3
परिचय, चट्टान निर्माण, खनिज, क्रिस्टल प्रणाली, खनिजों का रसायन, तत्व, कार्बनिक, क्रिस्टल की प्रकृति, समरूपता, भौतिक और रासायनिक गुण, घनत्व, दरार, कठोरता, ऑप्टिकल गुण, रंग और फैलाव, संरचना, माप की इकाइयाँ, अपवर्तक सूचकांक और रत्न और क्रिस्टल के उपचार गुण।	कटौतियों के प्रकार, मुखाग्र, चरण, मिश्रित कटौतियाँ, बहुरूपता, क्रिस्टल से, क्रिस्टल के प्रकार, क्लस्टर, लेजर-वैंड, जियोड, स्लाइस, डोनट्स, अर्थ-कीपर, सिंगल-टर्मिनेटर, आकाशीय, प्रेत, रिकॉर्ड कीपर, द्विन जनरेटर, सारणीबद्ध, शिक्षक, इंद्रधनुष, क्रिस्टल बॉल। क्रिस्टल चुनना, सफाई के तरीके, प्रोग्रामिंग, क्रिस्टल को चार्ज करना और सक्रिय करना।	नौ रत्न- रूबी, मोती लाल मूंगा, पन्ना, पीला नीलम, हीरा, पुखराज, हेसोनाइट और केट्स आई। गुण, उपयोग, प्रभाव, पहनने के तरीके, रत्नों के प्रकार, उनके उपयोग और मानव जीवन पर पड़ने वाले उनके प्रभाव आदि।

मॉड्यूल - 4	मॉड्यूल - 5	मॉड्यूल - 6
क्रिस्टल परिवार जैसे क्वार्ट्ज, कोरंडम, बेरिल, चाल्सेडनी, जेडाइट, आदि। क्रिस्टल परिवार और उनके उपचार गुण, उपलब्धता और उपयोग जैसे एलेक्जेंड्राइट, एगेट, एक्वामरीन, ब्लडस्टोन, कार्नेलियन, सिट्रीन, क्राइसोप्रेज़, डायस्टेस, ईगल आई, फ्लोराइट, गार्नेट, हॉक आई, पोलाइट, जेड, जैस्पर, कुंजाइट, लैपिस, लाजुली, मूनस्टोन, माइक्रोक्लाइन, ओपल, ओब्सीडियन, पीरियड, क्वार्ट्ज, रेटाइल, सोशलाइट, सनस्टोन, सार्डोनिक, टाइगर आई, जिरकोन और भी बहुत कुछ।	रत्न क्रिस्टल, स्टार और डबल स्टार ऑफ डिवाइन, चक्र लेआउट, हीलिंग लेआउट आदि के लेआउट और हीलिंग व्यवस्था। हीलिंग व्यवस्था और प्रदर्शन की तकनीकें।	रत्न और क्रिस्टल टैरो, वास्तु और ज्योतिष में उपयोग, दवा बनाना, पहनना, ताबीज, लॉकेट, रत्न और क्रिस्टल आभूषण, आदि।

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
रत्न और क्रिस्टल में डिप्लोमा	पूर्ण भुगतान	7000	-	7000
	किश्त विधि	4000	4000	8000

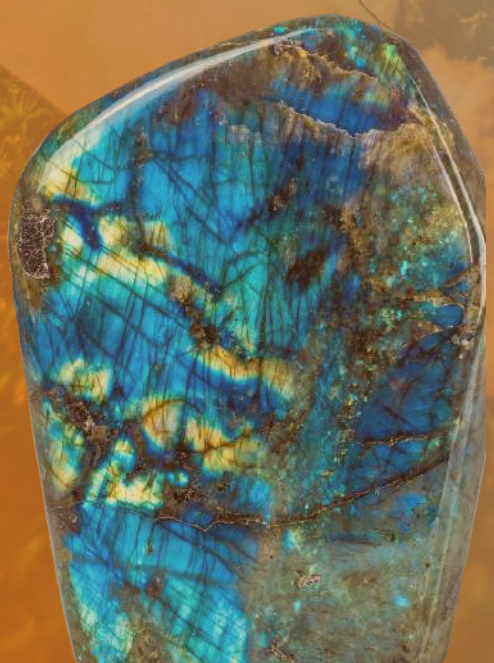

पी.जी डिप्लोमा कोर्स

कॉलेज विभिन्न विषयों में डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम प्रदान करता है। पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा पद्धति पर आधारित होंगे, जिसमें पाठ्य पुस्तकों, परियोजनाओं, परियोजना दिशा-निर्देशों, केस स्टडी आदि जैसे अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए उपकरणों का समर्थन होगा।

ज्योतिष में पी.जी डिप्लोमा (PDIA) (अवधि- 1 साल)

मॉड्यूल 1-12

ज्योतिष में डिप्लोमा के समान।

मॉड्यूल - 13	मॉड्यूल - 14	मॉड्यूल - 15
नौ ग्रह, प्रभाव, स्थान, प्रभाव, पाप ग्रह, दीप्तांश, विभिन्न मैत्री संबंध, प्राकृतिक, छह शक्तियां, ग्रह अवस्था और चेष्टा, 27 भूमिकाएं, कारक ग्रह आत्मा, पिता, माता, भाई, पुत्र, ज्ञान, गण, योनि, नाड़ी, वर्ण, युंज, तत्व, नाम अक्षर, पाया, सूर्य राशि।	पंचांग (इफेमेरिस), लग्न पता लगाना (शॉर्ट कट विधि), ग्रह स्पष्ठ, कुंडली बनाना, अंश, समय समायोजन, दैनिक पंचांग गणना, पाप प्रभाव, प्रथम, द्वितीय, तृतीय, राशि, लग्न, नक्षत्र, शांति।	दशवर्ग चार्ट (राशिफल) भाग 1: वर्गोत्तम ग्रह और लग्न, होरो चार्ट-बनाना और प्रभाव; द्रेष्काण चार्ट बनाना और प्रभाव; दशमांश कुंडली-निर्माण एवं प्रभाव, सप्तांश कुंडली-निर्माण एवं प्रभाव।

मॉड्यूल - 16	मॉड्यूल - 17	मॉड्यूल - 18
दशवर्ग कुंडली (राशिफल) भाग 2 : द्वादशांश कुंडली-निर्माण एवं प्रभाव; त्रिशांश कुंडली निर्माण एवं प्रभाव; कलांश कुंडली निर्माण एवं प्रभाव; षष्ठ्यांश कुंडली निर्माण एवं प्रभाव; षोडशांश कुंडली निर्माण एवं प्रभाव।	लग्न पक्ष : शारीरिक बनावट, रंग, उच्च, व्यक्तित्व, पाप ग्रह नियम तोड़ना, लग्न संबंधी योग, लग्नेश की शक्ति; दूसरा भाव-धनी एवं निर्धन योग, दिवालियापन, ससुराल पक्ष से धन, परिवार, बैंक बैलेंस, धन-स्वदेश/विदेश, पैतृक संपत्ति, धन प्राप्ति की दिशा। तीसरा भाव-भाई/बहन, उनसे आपसी संबंध, अंक, व्यवसाय, वेलोर, निर्णय लेना, बड़ा परिवार, बहन एवं बहनोई, भाई-बहनों से सुख, चचेरे भाई-बहन।	चौथा भाव: माता, माता से संबंध, माता की आयु, वाहन सुख, प्राप्ति, अंक, समय, जीवन में सुख, प्रसिद्धि। घर, अपना घर, कई घर, विदेश में घर, घर में समस्या, घर में वास्तुदोष, कृषि भूमि-भूमि से लाभ, मवेशी, कुआं, बोरवेल। पांचवां भाव संतान, संतान से संबंधित योग, गर्भपात, देर से संतान, संतान की संख्या, संतान से सुख, शाप योग, संतान प्राप्ति का समय, ज्ञान, शिक्षा। छठा भाव: रोग, शत्रु, विजय/पराजय और शत्रुओं से भय, छुपे हुए शत्रु, कर्ज।

मॉड्यूल - 19	मॉड्यूल - 20	मॉड्यूल - 21
सातवें भाव: विवाह, आयु, बहुविवाह, तलाक, वैवाहिक सुख, जीवनसाथी को रोग, विवाह का समय, विधवा, जीवनसाथी के रंग-रूप, विवाह में बाधाएं, जीवनसाथी का राजयोग, भागीदारी, लाभ, संबंध, आठवां भाव: आयु, मृत्यु का कारण, विष, मृत्यु जैसी समस्याएं, छुपे हुए खजाने, परा विज्ञान विद्या योग। नवां भाव: भाग्य, किस्मत, भाग्यशाली/ दुर्भाग्यशाली लोग, और विवाह के बाद भाग्योदय, दिशा। तीर्थ यात्रा, धार्मिक प्रवृत्ति। धार्मिक कार्य, प्रसिद्धि, प्रतिष्ठा।	दसवाँ भाव : व्यवसाय, व्यापार, सफलता, प्रशासनिक नौकरियाँ, राज योग, उच्च पद, नौकरियाँ, धन का लेन-देन, पिता से सम्बन्ध और सुख। एकादश भाव : लाभ, अनेक स्रोतों से आय, धन योग, निर्धन योग, आय का स्रोत, श्वेत/काला, शुभ कर्म, समृद्धि, अधिकार। बारहवाँ भाव : हानि, दान, कर और विदेश यात्रा, फ्रैक्चर।	मनुष्य/अन्य प्रजातियों की आयु, संतान रोग योग, अस्वस्थता संबंधी योग, अल्पायु, मध्यम आयु और दीर्घायु, वेतन वृद्धि, मृत्यु से सुरक्षा। मृत्यु कारक ग्रह, मृत्यु का स्थान, मृत्यु का स्वामी, मृत्यु की दिशा, मृत्यु का कारण-अपना देश, विदेश, अचानक, मृत्यु का कारण विष, मौसम संबंधी मशीन, सरकार के कारण, चोर, शत्रु, हथियार, पहाड़, दुर्घटना, घाव, कारावास, फाँसी, आत्महत्या, युद्ध, पशु, प्राकृतिक। मृत्यु स्थान- तीर्थ, शुभ स्थान, विदेश, मकान, अस्पताल, मोक्ष। पिछला और भविष्य जन्म।

मॉड्यूल - 22	मॉड्यूल - 23	मॉड्यूल - 24
प्रश्न कुंडली: प्रश्न कुंडली बनाना, संयुक्त और स्वतंत्र परिणाम, सूर्य वीथी, छत्र लग्न, अर्क लग्न, लक्ष्य प्राप्ति, चोरी से संबंधित प्रश्न। यात्रा, रोग प्रश्न, खोया-पाया लोगों का प्रश्न, मौन प्रश्न और जीत/हार। लाल किताब- पिता, माता, भाई, स्वयं, पत्नी रिश्तेदार, बहन, क्रूरता, जन्म से, ग्रह पंचायत के मनुष्यों पर ऋण।	विवाह से पहले लड़के और लड़की की कुंडली मिलाना, शुभ योग, ग्रहों की मित्रता, गुण मिलान। नाड़ी, गंगा, योनि, मंगल दोष, द्विदशक, षडाष्टक, नवम पंचम योग। उपाय - नौ ग्रहों की शांति, व्यवसाय/करियर में सुधार, वित्तीय विकास परिवार विकास, स्वास्थ्य में सुधार, दोष शांति के लिए अनुष्ठान।	सभी ग्रहों का 12 भावों में गोचर, प्रश्न ज्योतिष, प्रश्न ज्योतिष के नियम। वैवाहिक जीवन, नौकरी, पढ़ाई, संतान, घर, आयु आदि से संबंधित विभिन्न प्रश्न और उनके उत्तर। ग्रहों के उपाय, कुंडली में विभिन्न प्रकार के अभिशाप और उनके उपाय।

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
ज्योतिष में पी.जी डिप्लोमा	पूर्ण भुगतान	12000	-	12000
	किश्त विधि	6500	6500	13000

वैदिक वास्तु शास्त्र में पी.जी डिप्लोमा (PDIV) (अवधि- 1 साल)

मॉड्यूल 1-12

वैदिक वास्तु शास्त्र में डिप्लोमा के समान।

मॉड्यूल - 13	मॉड्यूल - 14	मॉड्यूल - 15
पिरामिड, अवधारणा, विकास, ऊर्जा का स्रोत, ज्यामितीय माप, भवन में आकार, वास्तु उपचार के लिए पिरामिड, क्रिस्टल पिरामिड, रंग पिरामिड, चिकित्सा, आधुनिक वास्तु अवधारणा।	पर्यावरणीय वास्तु पर्यावरण के प्रति जागरूक डिजाइन, ग्रह और उनके गुण, उपयोग; उपयोगी जड़ी-बूटियाँ, वास्तु के अनुसार उपयोगी पेड़, पौधे, पेड़ और झाड़ियों का उपयोग करके वास्तु सुधार।	मूलभूत ड्राइंग, मानचित्र पढ़ना, कम्पास दिशाएँ ढूँढना, मानचित्र में विवरण अंकित करना, पौधे, विथु विन्यास, ब्रह्मस्थान का पता लगाना, द्वार और गेट की स्थिति तय करना, जटिल प्लॉट, गुम और विस्तार और प्रभाव।

मॉड्यूल - 16	मॉड्यूल - 17	मॉड्यूल - 18
वास्तुशिल्प अवधारणाएँ, सौंदर्यशास्त्र, शैली, निर्माण की कला, जलवायु का प्रभाव, सामाजिक कारक, आयामी प्रणाली, मौलिक आकृतियों से, वास्तु विशेषज्ञ और वास्तुकार के बीच साइट विकास।	शैली, बुनियादी दुकानें, विभिन्न सामग्रियों का उपयोग, समरूपता, आइकनोग्राफी, कपड़ा, बोर्ड, फर्श, दीवार, छत, रंग योजनाएँ, पेंट तकनीक, रंग मिश्रण, डिज़ाइन प्रक्रिया, वास्तु के अनुसार सामग्री की अनुमति नहीं है।	रत्न और क्रिस्टल के गुण, प्रभाव, उपयोग, वास्तु में अनुप्रयोग, वास्तु उपचार के उपाय, पंचरत्न, नवरत्न, क्रिस्टल सामग्री, क्रिस्टल उपाय, सुधार में उपयोग, क्रिस्टल के माध्यम से ऊर्जा का प्रवाह।

मॉड्यूल - 19	मॉड्यूल - 20	मॉड्यूल - 21
ऊर्जा वास्तु विज्ञान, ऊर्जा माप के लिए उपकरण और साधन, उपयोग और अनुप्रयोग, उन्नत अवधारणाएँ, कार्य विचारधारा, विवादास्पद किरणें, जियोपैथिक तनाव, ले लाइन और अन्य उन्नत आधुनिक उपकरण।	मंदिर वास्तु – 1: मंदिरों की ऊर्जा प्रणाली, विकास का हिस्सा, अलग-अलग मंदिरों के लिए अलग-अलग ऊर्जा, विशेषताएँ, थीम, उत्तर भारतीय और दक्षिण भारतीय शैलियाँ, मंडप, वैदिक वास्तुकला, चट्टान काटकर बनाए गए मंदिर, ममल्लपुरम के मंदिर, एलोरा की एलीफेंटा गुफाएँ, राजराजेश्वर मंदिर, तंजौर, सूर्य मंदिर, कोणार्क।	मंदिर वास्तु – 2: जैन मंदिर - रणकपुर मीनाक्षी सुंदरेश्वर मंदिर, मदुरै, लिंगराज मंदिर, भुवनेश्वर, देवता, निर्माण प्रक्रिया, शुद्धिकरण अनुष्ठान, स्तंभ और स्तंभ, स्तम्भ, गोपुर, विग्रह के प्रकार, माप विशेषताएँ, पूजा, प्रदक्षिणा।

मॉड्यूल - 22	मॉड्यूल - 23	मॉड्यूल - 24
प्रश्न कुंडली: प्रश्न कुंडली बनाना, संयुक्त और स्वतंत्र परिणाम, सूर्य वीथी, छत्र लग्न, अर्क लग्न, लक्ष्य प्राप्ति, चोरी से संबंधित प्रश्न। यात्रा, रोग प्रश्न, खोया-पाया लोगों का प्रश्न, मौन प्रश्न और जीत/हार। लाल किताब- पिता, माता, भाई, स्वयं, पत्नी रिश्तेदार, बहन, क्रूरता, जन्म से, ग्रह पंचायत के मनुष्यों पर ऋण।	विवाह से पहले लड़के और लड़की की कुंडली मिलाना, शुभ योग, ग्रहों की मित्रता, गुण मिलान। नाड़ी, गंगा, योनि, मंगल दोष, द्विदशक, षडाष्टक, नवम पंचम योग। उपाय - नौ ग्रहों की शांति, व्यवसाय/करियर में सुधार, वित्तीय विकास परिवार विकास, स्वास्थ्य में सुधार, दोष शांति के लिए अनुष्ठान।	सभी ग्रहों का 12 भावों में गोचर, प्रश्न ज्योतिष, प्रश्न ज्योतिष के नियम। वैवाहिक जीवन, नौकरी, पढ़ाई, संतान, घर, आयु आदि से संबंधित विभिन्न प्रश्न और उनके उत्तर। ग्रहों के उपाय, कुंडली में विभिन्न प्रकार के अभिशाप और उनके उपाय।

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
वैदिक वास्तु शास्त्र में पी.जी डिप्लोमा	पूर्ण भुगतान	12000	-	12000
	किश्त विधि	6500	6500	13000

अंक ज्योतिष में पी.जी डिप्लोमा (PDIN) (अवधि- 1 साल)

मॉड्यूल - 1-6	मॉड्यूल - 7	मॉड्यूल - 8
अंक ज्योतिष में डिप्लोमा के कोर्स अनुसार। मॉड्युल संख्या 1 से 6 तक में वर्णित पाठ्य सामग्री भी इसी कोर्स में सम्मिलित की गई है उसके पश्चात् मॉड्यूल 7 से 12 तक आगे वर्णित पाठ्यक्रम अनुसार है।	विशेषज्ञता की ओर एक कदम इस मॉड्यूल में संख्याओं के बारे में सभी आवश्यक जानकारी शामिल है जैसे प्रत्येक संख्या का विवरण उसके सकारात्मक और नकारात्मक तत्व के साथ। यह मॉड्यूल किसी व्यक्ति के नाम अंक ज्योतिष और व्यवसाय के बारे में विस्तार से बताता है।	विशेषज्ञता की ओर एक और कदम यह मॉड्यूल छात्रों को बताएगा कि अंक ज्योतिष स्वास्थ्य से कैसे संबंधित है क्योंकि कोई व्यक्ति भाग्य को नियंत्रित नहीं कर सकता है लेकिन खाने की आदतों को नियंत्रित कर सकता है। इस मॉड्यूल में प्रेम संगतता के साथ-साथ व्यवसाय संगतता को भी दिलचस्प तरीके से समझाया गया है

मॉड्यूल 9
इस मॉड्यूल में अंक ज्योतिष की एक और दिलचस्प अवधारणा है क्योंकि इस मॉड्यूल में वास्तु और अंक ज्योतिष के बीच पूर्ण संबंध शामिल है। इसके अलावा इसमें उपाय भी बताए गए हैं। यह मॉड्यूल छात्रों को अंक ज्योतिष के बारे में बहुत अधिक जानकारी दे सकता है क्योंकि इसमें "कंपन का खेल" का उल्लेख किया गया है। इसके अलावा इस मॉड्यूल में संख्याओं पर रंगों और रत्नों के प्रभाव का भी उल्लेख किया गया है।

मॉड्यूल - 10	मॉड्यूल - 11	मॉड्यूल - 12
इस दिलचस्प मॉड्यूल के बारे में चर्चा करना वाकई बहुत बढ़िया है क्योंकि यह मैजिक स्क्वायर के रहस्यों को उजागर करता है। छात्र बहुत अच्छी तरह से समझेंगे कि कैसे हमारे नंबर हमारे पेशे को तय करते हैं। इसे विभिन्न व्यवसायों के उदाहरणों के साथ समझाया गया है	यह मॉड्यूल छात्रों को कर्म संख्याओं और विशेष भाग्य संख्याओं के बारे में जागरूक करेगा जिन्हें लोकप्रिय रूप से मास्टर नंबर के रूप में जाना जाता है	यह मॉड्यूल छात्रों को एक अद्भुत अवधारणा के बारे में बताएगा जो आकर्षण का नियम है। ऊर्जा की भूमिका, मानव जीवन में भूमिका। मॉड्यूल छात्रों को आकर्षण के नियम के बारे में अच्छी तरह से समझाने के लिए तैयार किया गया है क्योंकि यह सब ऊर्जा का खेल है।

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
अंक ज्योतिष में पी.जी डिप्लोमा	पूर्ण भुगतान	12000	-	12000
	किश्त विधि	6500	6500	13000

टैरो रीडिंग में पी.जी डिप्लोमा (PDIT) (अवधि- 1 साल)

मॉड्यूल - 1-6	मॉड्यूल - 7	मॉड्यूल - 8
टैरो रीडिंग में डिप्लोमा के कोर्स अनुसार। मॉड्युल संख्या 1 से 6 तक में वर्णित पाठ्य सामग्री भी इसी कोर्स में सम्मिलित की गई है उसके पश्चात् मॉड्यूल 7 से 12 तक आगे वर्णित पाठ्यक्रम अनुसार है।	इस मॉड्यूल में 5 तत्व, बुनियादी अवधारणाएँ, तत्व और उनके आपसी संबंध शामिल होंगे। ताई-ची और विभिन्न ट्रिग्राम और चीनी टैरो करने की मूल बातें भी इस मॉड्यूल में शामिल हैं।	इस मॉड्यूल में कई अवधारणाएँ, सिद्धांत और चीनी टैरो पढ़ना शामिल है। यह एक छात्र को इस प्रणाली के गहन पहलुओं को शुरू से लेकर अंत तक ले जाएगा।

मॉड्यूल 9
इस मॉड्यूल में छात्रों को टैरो विधि पर पढ़ने और व्याख्याओं के बारे में बारीक जानकारी मिलेगी। डाउजिंग क्या होता है, उसके प्रकार, डाउजिंग किस प्रकार से की जाती है। डाउजिंग में प्रयोग होने वाले उपकरण और यंत्र एवं उनके प्रयोग करने की विधि, उपकरणों के शुद्धिकरण की विधि

मॉड्यूल - 10	मॉड्यूल - 11	मॉड्यूल - 12
यह मॉड्यूल भविष्यवाणी के सबसे आकर्षक उपकरणों में से एक को कवर करता है जिसे डाउजिंग के रूप में जाना जाता है। इसके लिए केवल अभ्यास और एकाग्रता की आवश्यकता होती है। यह मॉड्यूल अवधारणाओं, विभिन्न डाउजिंग उपकरणों और उनके उपयोगों को कवर करता है।	यह मॉड्यूल डाउजिंग तकनीकों में महारत हासिल करने को कवर करेगा। यह यह भी कवर करेगा कि कौन सा डाउजिंग उपकरण आपके लिए उपयुक्त है। डाउजिंग का व्यावहारिक अनुप्रयोग और डाउजिंग का उपयोग करके भूमि पर पानी ढूँढना।	इस मॉड्यूल में छात्रों को चीनी टैरो विधियों पर पढ़ने और व्याख्याओं के बारे में बढ़िया जानकारी मिलेगी। विभिन्न डाउजिंग उपकरण और उनके उपयोग।

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
टैरो रीडिंग में पी.जी डिप्लोमा	पूर्ण भुगतान	12000	-	12000
	किश्त विधि	6500	6500	13000

हस्तरेखा विज्ञान और फेस रीडिंग में पी.जी डिप्लोमा (PDIP) (अवधि- 1 साल)

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में हस्तरेखा विज्ञान के अतिरिक्त फेस रीडिंग से संबंधित पहलुओं को भी शामिल किया जाएगा।

मॉड्यूल - 1-6	मॉड्यूल - 7	मॉड्यूल - 8
हस्तरेखा विज्ञान में डिप्लोमा के कोर्स अनुसार। मॉड्युल संख्या 1 से 6 तक में वर्णित पाठ्य सामग्री भी इसी कोर्स में सम्मिलित की गई है उसके पश्चात् मॉड्यूल 7 से 12 तक आगे वर्णित पाठ्यक्रम अनुसार है।	मस्तिष्क रेखा का परिचय, मस्तिष्क रेखा का बुनियादी अध्ययन, मस्तिष्क रेखा को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक और उससे संबंधित भविष्यवाणियाँ। मस्तिष्क रेखा के संबंध में अन्य विशेषताओं का प्रभाव।	स्वास्थ्य रेखा, सूर्य रेखा, मंगल रेखा, शनि के मणिबंध, शुक्र के मणिबंध, विवाह रेखा, शिक्षा रेखा, यात्रा रेखा आदि जैसी विभिन्न रेखाओं का प्रभाव।

मॉड्यूल 9
रहस्यमय क्रॉस, प्रभाव रेखाएँ, अंतर्ज्ञान रेखा, विवाह रेखा, आदि। हाथों का संयोजन या योग विस्तार से कवर किया जाएगा। यह एक और विषय है जो हस्तरेखा विज्ञान के विषय में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा।

मॉड्यूल - 10	मॉड्यूल - 11	मॉड्यूल - 12
हाथ, पैर, चेहरे जैसे शरीर के अंगों पर निशान, धब्बे या प्रतीक। रंग, आकार, आँखों और भौंहों का रूप जो व्यक्ति को प्रभावित करते हैं, उन्हें आठ मॉड्यूल में शामिल किया जाएगा। चेहरे की विशेषताओं को पढ़कर भविष्य जानने के लिए समर्पित मॉड्यूल।	चेहरा पढ़ना, माथे की रेखाएं, आकृति, रूप, माथे की विशेषताएं, पैर, शरीर की सामान्य विशेषताएं आदि को विस्तार से कवर किया जाएगा। इस मॉड्यूल को पूरा करने के बाद छात्र चेहरे के अध्ययन के माध्यम से किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व, स्वभाव आदि के बारे में देखने, विश्लेषण करने और व्याख्या करने की स्थिति में होगा।	सुधार के लिए उपचारात्मक कार्रवाई के सुझाव इस मॉड्यूल में शामिल किए जाएंगे। हस्तरेखा विज्ञान और चेहरे को व्यवहार में लाने का व्यावहारिक ज्ञान मॉड्यूल 12 में शामिल किया जाएगा। यह विभिन्न केस स्टडीज की चर्चा और विश्लेषण के माध्यम से किया जाएगा। छात्रों को विषय में महारत हासिल करने के लिए प्रोजेक्ट दिए जाएंगे।

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
हस्तरेखा विज्ञान और फेस रीडिंग में पी.जी डिप्लोमा	पूर्ण भुगतान	12000	-	12000
	किश्त विधि	6500	6500	13000

फेंग शुई में पी.जी डिप्लोमा (PDIN) (अवधि- 1 साल)

मॉड्यूल - 1-6	मॉड्यूल - 7	मॉड्यूल - 8
फेंग शुई में डिप्लोमा के कोर्स अनुसार। मॉड्युल संख्या 1 से 6 तक में वर्णित पाठ्य सामग्री भी इसी कोर्स में सम्मिलित की गई है उसके पश्चात् मॉड्यूल 7 से 12 तक आगे वर्णित पाठ्यक्रम अनुसार है।	किसी भी विधि से इलाज, जैसे फेंगशुई, दवा, ध्यान आदि। अन-फ्लाइंग सिद्धांत, इलाज लागू करना। इलाज का उद्देश्य, ठोस और भारी वस्तुओं को हिलाना, प्रतीक, ध्वनि।	बा-चॉप द्वारा परिचय निर्धारण, बा-चॉप द्वारा अच्छे और बुरे प्रभावों का निर्धारण गार्डन, ताई-ची।

मॉड्यूल 9
फ्लाइंग स्टार्ट नंबर और उनकी व्याख्या, उत्तर और उत्तर-पूर्व जन्म कुंडली। पूर्व और दक्षिण - पूर्व जन्म कुंडली। दक्षिण और दक्षिण - पश्चिम जन्म कुंडली। पश्चिम और पश्चिम - उत्तर जन्म कुंडली।

मॉड्यूल - 10	मॉड्यूल - 11	मॉड्यूल - 12
फेंगशुई मूल्यांकन, चार रक्षक, विनाशकारी ऊर्जा प्रकार, शुभ ऊर्जा प्राप्त करना, यिन, यांग और पांच तत्व, बारह प्राणी और उनकी विशेषता, 28 नक्षत्र, भविष्यवाणी और पंचांग, व्यक्तिगत भाग्य के लिए चार्ट।	घर के लिए सामान्य अभिविन्यास, भवन का प्रवेश द्वार, लो-पैन और उसके विभाग, भू-चुंबकीय कम्पास के साथ पढ़ना, ऊर्जा का उपयोग, फर्श योजना।	घर और कार्यालय वार्मिंग, ताई-ची और इसकी स्थिति, ताईची की चाल, भूखंड का विस्तार, फेंग शुई और रत्न/.

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
फेंग शुई में पी.जी डिप्लोमा	पूर्ण भुगतान	12000	-	12000
	किश्त विधि	6500	6500	13000

मास्टर्स कोर्स

ज्योतिष में मास्टर्स (MIA) (अवधि- 1 साल)

1. उदाहरणों के साथ 12 घरों और 9 ग्रहों की पूरी भविष्यवाणी सीखने के लिए 13 मॉड्यूल। कॉलेज ज्योतिष के सभी मौलिक सिद्धांत भाग को मास्टर स्तर तक अध्ययन करने के लिए 13 मॉड्यूल प्रदान करेगा।
2. व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए सप्ताहांत (प्रत्येक शनिवार और रविवार) पर लगभग 20 से 22 ई लर्निंग ऑनलाइन कक्षाएँ, ताकि सभी चार्ट का अध्ययन किया जा सके और पेशेवर स्तर तक जीवन के प्रत्येक पहलू में भविष्यवाणी सीखी जा सके। वैदिक ज्योतिष के विशेषज्ञों के साथ अपने सभी संदेहों का समाधान करें और वैदिक ज्योतिष के सभी गणनात्मक और भविष्य कहने वाला भाग सीखें।

ऑनलाइन कक्षाओं में हम जिन विषयों को कवर करते हैं

1. ग्रह का महत्व
2. भावों का परिचय
3. भावों का महत्व
4. ग्रहों की दृष्टि
5. लग्न स्वामी/लग्नेश तथा उसकी स्थिति के बारे में
6. लाभकारी तथा अशुभ ग्रहों में अंतर
7. केंद्र, त्रिकोण तथा त्रिक भाव
8. राशि में ग्रहों का उच्च तथा नीच होना
9. बारह राशियाँ तथा उनके ग्रह
10. राशि तथा उनके तत्व
11. स्थिर, चर तथा वास राशियाँ
12. ग्रहों की डिग्री
13. ग्रहों की महादशा तथा अंतर्दशा अवधि
14. राहु महादशा के अंतर्दशा प्रभाव
15. ग्रहों की अंतर्दशा 1
16. विशेष योग - महत्वपूर्ण योग
17. राज योग
18. पंच महापुरुष योग
18. पंच महापुरुष योग
19. 12 भावों में ग्रहों के परिणाम
20. साढ़ेसाती तथा ढैया
21. मांगलिक दोष और उसके उपाय
22. षोडशवर्ग चार्ट या मुख्य मंडल चार्ट -

D1 लग्न चार्ट
D2 होरा चार्ट
D 3 द्रेष्काण
D 4 चतुर्थांश चार्ट
D 7 सपमांशा चार्ट
5. D7- सप्तमांशा चार्ट
6. D9- नवांश चार्ट
3. D10- दशमांश चार्ट
4. D12- दशमांश

23. घटनाओं का वादा (लग्न चार्ट में योग)

A.) विवाह के लिए योग -
1. विवाह न होने का योग
2. दूसरा विवाह योग
3. देर से विवाह योग
4. तलाक / अलगाव योग
5. सफल विवाह
6. असफल वैवाहिक जीवन
7. प्रेम विवाह
8. अंतर्जातीय विवाह / विवाह के कारण माता-पिता से अलग होने की संभावना
9. विवाह के लिए माता-पिता की स्वीकृति

B.) शिक्षा के लिए योग -
1. प्रारंभिक शिक्षा
2. प्राथमिक शिक्षा
3. पांचवीं कक्षा तक स्नातक
4. व्यावसायिक डिग्री / उच्च डिग्री
5. गणित में कमज़ोर
6. अच्छी शिक्षा
7. अच्छा स्कूल
8. शिक्षा में ब्रेक

24. पारगमन के माध्यम से घटनाएँ (घटनाओं का समय) -

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
ज्योतिष में मास्टर्स	पूर्ण भुगतान	16000	-	16000
	किश्त विधि	9000	9000	18000

वैदिक वास्तु में मास्टर्स (MIV) (अवधि- 1 साल)

भाग - अ (मॉड्यूल 1 से 4)

वास्तु शास्त्र का महत्व, पृष्ठभूमि का अध्ययन। वास्तु पुरुष मंडल। 16 वास्तु क्षेत्र। वास्तु शास्त्र का अन्य ज्योतिषीय कलाओं से संबंध। वास्तु शास्त्र के पांच तत्व, कोने के भूखंड, वास्तु चक्र। वास्तु के अनुसार वास्तुकला के नियम (वास्तु शास्त्र एक सामान्य घर-बाधा, दिशा, दरवाजे, सीढ़ियाँ और बाथरूम आदि) घर का लेआउट। वास्तु और ब्रह्मांडीय विज्ञान, तत्वमीमांसा, विश्वकर्मा, प्राकृतिक शक्तियाँ, विभिन्न ऊर्जाएँ और वास्तु शास्त्र, भूगर्भीय तनाव और उसका सुधार। 45 देवता, कमरे का स्थान जैसे शयन कक्ष, रसोई, स्नानघर, पूजा कक्ष, उद्यान, पालतू पशु कक्ष, गैरेज, पार्किंग, धुलाई क्षेत्र आदि।

भाग - ब (मॉड्यूल 5 से 8)

बेसमेंट और वास्तु शास्त्र, बोरवेल की खुदाई और वास्तु के अनुसार स्थान, घर में रिक्त स्थान, मिट्टी परीक्षण विधि, गृह निर्माण के लिए मुहूर्त, वास्तु निर्मल और शेषनाग, गृह निर्माण, वस्तुओं का स्थान, व्यावसायिक भवनों और टाउनशिप के लिए वास्तु, मंदिर वास्तुकला और वास्तु प्रभाव, हिंदू मंदिर वास्तुकला, केस स्टडी। वास्तु शास्त्र का मानव मनोविज्ञान से संबंध, मानव स्वास्थ्य और इंद्रियों पर वास्तु का प्रभाव, क्वांटम मनोविज्ञान और वास्तु, रंग मनोविज्ञान और इसका अनुप्रयोग, व्यवहार और वास्तु का परस्पर संबंध, वास्तु के अनुसार इंटीरियर डिजाइनिंग, वास्तु, मानव व्यवहार और आय के बीच संबंध, वास्तु का वैज्ञानिक आधार।

भाग - स (मॉड्यूल 9 से 12)

प्रतीकों का अध्ययन (त्रिशूल, कमल, तिलक, रुद्राक्ष, तुलसी, बरगद का पेड़) यंत्र, रंग और आधुनिक वास्तु, पंचतत्व, दिशा और उनकी विशेषताएं, क्षेत्रों और कमरों के उपयोग के संबंध में विशिष्ट रंग, डिजाइन के तत्व, कला और डिजाइन, डिजाइन के 7 महत्वपूर्ण तत्व, रंग और शेड, दृश्य बनावट और उसके तत्व, पवित्र वास्तुकला, डिजाइन कीमिया, स्थान का सामंजस्य, वास्तु उपाय, वास्तु के अनुसार गुम हुए कोने, अपने घर में पांच तत्वों को संतुलित करना।

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
वैदिक वास्तु में मास्टर्स	पूर्ण भुगतान	16000	-	16000
	किश्त विधि	9000	9000	18000

अंक ज्योतिष में मास्टर्स (MIN) (अवधि- 1 साल)

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अंकशास्त्र में विशेषज्ञ बनाना है।

मॉड्यूल - 1	मॉड्यूल - 2	मॉड्यूल - 3
1. संख्याओं के लक्षण 2. संख्याओं का महत्व 3. शिखर संख्याएँ	1. चुनौतीपूर्ण संख्याएँ 2. हृदय की इच्छा संख्याएँ 3. आत्मा की इच्छा संख्याएँ 4. स्वर और व्यंजन का महत्व 5. नाम प्रभाव चक्र	1. भोजन की अवधारणा 2. भोजन का विकल्प 3. संख्याएँ और भोजन 4. भोजन का प्रभाव

मॉड्यूल - 4	मॉड्यूल - 5	मॉड्यूल - 6
1. रंग अवधारणाएँ 2. रंग और संख्याएँ 3. रंगों का सिद्धांत 4. रंगों की भूमिका 5. रंग का प्रभाव	1. राशि एवं राशि चिह्न भाग -2	1. राशि एवं राशि चिह्न भाग -1

मॉड्यूल - 7	मॉड्यूल - 8	मॉड्यूल - 9
1. अनुकूलता 2. कार्य अनुकूलता 3. विवाह अनुकूलता 4. मित्रता अनुकूलता	1. तत्व क्या हैं 2. प्रत्येक तत्व क्या दर्शाता है 3. अंक ज्योतिष में तत्वों की भूमिका 4. मानवीय भावनाएँ 5. स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे विस्तार से 6. कुआ अंक का महत्व	1. अंक वास्तु 2. संयुक्त अंक

मॉड्यूल - 10	मॉड्यूल - 11	मॉड्यूल - 12
1. भविष्यसूचक अंक ज्योतिष 2. मोबाइल नंबर 3. वाहन नंबर 4. विवाह नंबर 5. घर का नंबर	1. अंक चार्ट 2. अंक चार्ट पर कैसे काम करें 3. अंतर्दशा, महादशा	1. मंत्र 2. यंत्र 3. अन्य उपाय 4. केस स्टडी

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
अंक ज्योतिष में मास्टर्स	पूर्ण भुगतान	12000	-	12000
	किश्त विधि	6500	6500	13000

टैरो कार्ड रीडिंग में मास्टर्स (MIT) (अवधि- 1 साल)

टैरो मास्टर कोर्स में आपका स्वागत है, जो टैरो रीडिंग की प्राचीन कला की एक परिवर्तनकारी और गहन खोज है। डिप्लोमा कोर्स में प्राप्त मूलभूत ज्ञान पर आधारित, यह उन्नत कार्यक्रम आपके टैरो कौशल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो आपको कार्ड का सच्चा मास्टर बनने के लिए सशक्त बनाता है।
इस कोर्स के दौरान, हम आत्म-खोज, अंतर्ज्ञान और आध्यात्मिक विकास की एक गहन यात्रा पर निकलेंगे। एक टैरो मास्टर के रूप में, आप प्रत्येक कार्ड के पीछे छिपे अर्थों को अनलॉक करना सीखेंगे, उनके प्रतीकात्मक महत्व में गहराई से उतरेंगे, और अधिक गहराई और स्पष्टता के साथ उनके जटिल संबंधों की व्याख्या करने की क्षमता विकसित करेंगे।

टैरो मास्टर कोर्स में शामिल विषय इस प्रकार हैं:

1. टैरो उपाय: टैरो रीडिंग में उपायों की आवश्यकता की खोज करना और ग्राहकों को उपाय सुझाने के लिए प्रभावी तकनीक सीखना। (5-4 कक्षाएँ)	2. कार्ड के साथ पुष्टि: व्यक्तिगत विकास और अभिव्यक्ति के लिए पुष्टि बनाने के लिए प्रत्येक कार्ड की छवि और ऊर्जा की शक्ति का उपयोग करना। (2 कक्षाएँ)	3. रिश्तों में टैरो पढ़ना: रिश्तों के संदर्भ में टैरो कार्ड को समझना और व्याख्या करना, दिल के मामलों पर मार्गदर्शन और अंतर्दृष्टि प्रदान करना। (5 कक्षाएँ)
4. टैरो कार्ड में संयोजन: कार्ड संयोजनों के महत्व की जाँच करना, जटिल स्थितियों की गहरी समझ को सक्षम करना और रीडिंग की सटीकता को बढ़ाना। (4 कक्षाएं)	5. कैंडल मैजिक: अभिव्यक्ति और परिवर्तन के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में कैंडल मैजिक के अभ्यास की खोज, इसे टैरो रीडिंग में शामिल करना, (2 कक्षाएं, व्यावहारिक सत्रों सहित)	6. सिगिल क्रिएशन: सिगिल क्रिएशन के माध्यम से प्रतीकों की कला और भाषा सीखना, अंतर्ज्ञान और भविष्यवाणी कौशल को बढ़ाना। (2 कक्षाएं)
7. प्रभावी टैरो रीडिंग और अंतर्ज्ञान विकसित करना: प्रभावी रीडिंग करने, सहज क्षमताओं को विकसित करने और ग्राउंडिंग प्रथाओं को स्थापित करने की तकनीकों की खोज करना। (1 सत्र)	8. मेडिकल टैरो - भाग 1: स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान करने और कल्याण के मामलों में मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए टैरो कार्ड का उपयोग करने में अंतर्दृष्टि प्राप्त करना। (6-5 कक्षाएं)	9. मेडिकल टैरो - भाग 2: मेडिकल टैरो की खोज जारी रखना, स्वास्थ्य संबंधी प्रश्नों के संबंध में ज्ञान और व्याख्याओं का विस्तार करना।
10. करियर टैरो: करियर से संबंधित मामलों में मार्गदर्शन और स्पष्टता प्रदान करने के लिए टैरो रीडिंग तकनीकों को लागू करना, व्यक्तियों को उनके पेशेवर पथ पर आगे बढ़ने में मदद करना।	11. अभ्यास कक्षाओं के साथ विस्तृत स्प्रेड: विभिन्न टैरो स्प्रेड, उनके अनुप्रयोगों और उनके कार्यान्वयन का अभ्यास करने की गहरी समझ।	12. व्यावहारिक स्प्रेड - भाग 2: व्यावहारिक स्प्रेड की आगे की खोज, पढ़ने के कौशल का विस्तार करने के लिए विशेष क्षेत्रों और परिदृश्यों पर ध्यान केंद्रित करना।

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
टैरो कार्ड रीडिंग में मास्टर्स	पूर्ण भुगतान	16000	-	16000
	किश्त विधि	9000	9000	18000

हस्तरेखा शास्त्र में मास्टर्स (MIP) (अवधि- 1 साल)

इस कोर्स में 16 से 18 कक्षाएं होंगी
इस कोर्स में पाठ्यक्रम शामिल किया जाएगा, जिसका उल्लेख नीचे किया गया है :-

1. पंचांगली देवी साधना
2. पर्वतों के मिश्रित परिणाम
3. व्यवसाय या नौकरी के बारे में विश्लेषण
4. पुरुष और महिला के हाथों से विवाह मिलान की अवधारणा
5. हस्तरेखा शास्त्र के माध्यम से कुंडली बनाना
6. कर्ज़, कोर्ट केस से संबंधित विश्लेषण और उसके उपाय
7. सभी पहलुओं के साथ आयु की गणना
8. उच्च पद रेखा और योग
9. यात्रा रेखाएँ विस्तार से
10. शिक्षा रेखा विस्तार से
11. हस्तरेखा शास्त्र के माध्यम से पितृ दोष के उपाय
12. संतान न होना योग और उपाय।
13. महिलाओं में बांझपन और उपचार
14. अंतर्ज्ञान रेखा विस्तार से और गतिविधियों के माध्यम से अंतर्ज्ञान को कैसे बेहतर बनाया जाए
15. राहु रेखा और राहु को ठीक करने के उपाय
16. बृहस्पति, सूर्य, शनि आदि की गहराई में रेखा
17. हथेली में भाई, बहन भाई बहन की रेखा
18. अंगुलियों के बीच का स्थान
19. सिमियन रेखा
20. तलाक और विधवा रेखाओं का गहराई से अध्ययन
21. अंगुलियों का फैलाव
22. अंगुलियों की नाड़ियाँ
23. आपराधिक दिमाग चर्चा विषय
24. मानव सिर का आकार
25. टखने के लक्षण और संकेत
26. शरीर के हर हिस्से पर तिल और तिल की चर्चा

इस मास्टर कोर्स में सभी पहलुओं के साथ केस स्टडी भी शामिल की जाएगी, यह इस कोर्स का मुख्य आकर्षण होगा, लोगों को पता चलेगा कि उन्हें हाथों का विश्लेषण कैसे करना है।

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
हस्तरेखा शास्त्र में मास्टर्स	पूर्ण भुगतान	16000	-	16000
	किश्त विधि	9000	9000	18000

कृष्णमूर्ति पद्धति (के.पी ज्योतिष) में मास्टर्स (MKP) (अवधि- 1 साल)

मॉड्यूल 1

ज्योतिष, ज्योतिष की मूल बातें, उत्तर और दक्षिण भारतीय चार्ट के बीच अंतर, अयनमांसा, केपी प्रणाली और केपी ज्योतिष, केपी ज्योतिष के मूल सिद्धांत, उत्तर भारतीय चार्ट कैसे पढ़ें, केपी ज्योतिष में नियम, किरायेदार और गैर-किरायेदार ग्रह, घरों का वर्गीकरण।

मॉड्यूल 2

राशि चक्र का वर्गीकरण और प्रभाव, राशि चक्र का संकेत (मेष से कन्या तक)

मॉड्यूल 3

राशि चक्र का संकेत (तुला से मीन तक), सभी 12 घरों का संकेत।

मॉड्यूल 4

सभी ग्रहों का महत्व, भाग्य की अवधारणा, विभिन्न घरों में घर के स्वामी के परिणाम (प्रथम भाव के स्वामी से छठे भाव के स्वामी तक)

मॉड्यूल 5

विभिन्न घरों में घर के स्वामी के परिणाम, 27 नक्षत्र और उनका महत्व, ग्रहों का कार्यात्मक महत्व, पहलू, दशा प्रणाली का परिचय और गणना

मॉड्यूल 6

घरों के महत्व का पता लगाना, शासक ग्रह, घरों का समूहन, फलदायी महत्व का चयन, चार्ट में वादा ढूँढना। घटना का समय, पारगमन नाड़ी निर्देशांक, केपी नियमों को फिर से दोहराना, घर नंबर 1 का गहन विश्लेषण और घर नंबर 2 का विश्लेषण। केस स्टडी के साथ जातक की दीर्घायु, परिवार, शारीरिक बनावट आदि।

मॉड्यूल 7

घर नंबर 3 से घर नंबर 6 का गहन विश्लेषण। संपत्ति की खरीद और बिक्री, वाहन, यात्रा, प्राथमिक शिक्षा, चिकित्सा ज्योतिष। केस स्टडी के साथ संचार।

मॉड्यूल 8

घर नंबर 7 का गहन विश्लेषण, विवाह और संबंध, संतान, पूनार्फू योग, दिशा और पेशेवर साथी, साथी की विशेषताओं पर विस्तृत और गहन अध्ययन। किसके बाद कौन जीवित रहता है? साथी की शारीरिक विशेषता? आयु का अंतर? यौन व्यवहार? दो विवाह, संतान, गोद लेना, बांझपन, समय से पहले बच्चे का जन्म आदि।

मॉड्यूल 9

घर नंबर 8, 9, 11, 12 का गहन विश्लेषण। उच्च शिक्षा। कारावास। कोर्ट केस, मुकदमेबाजी, विदेश यात्रा, निवेश में बाधाएँ, केस स्टडी के साथ मृत्यु। मृत्यु के घर में चंद्रमा। बाधा के घर में शनि, साढ़े साती और इसका सत्य। शनि-राहु की युति, धनवान से क्रोधी।

मॉड्यूल 10

ज्योतिष और पेशा, राशि और पेशा, भाव और पेशा, 10वें घर में ग्रहों का संकेत, व्यवसाय या नौकरी, डॉक्टर, आईएएस अधिकारी, सिने कलाकार, निर्यात व्यवसाय, कंप्यूटर प्रोग्रामर, राजनीतिज्ञ।

मॉड्यूल 11

आज के संदर्भ में ज्योतिषियों से अक्सर पूछे जाने वाले 50 प्रश्नों के समाधान के साथ केपी होरारी।

मॉड्यूल 12

जन्म समय सुधार, सर्वोत्तम मुहूर्त ढूँढना, उपाय और बहुत कुछ।

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
कृष्णमूर्ति पद्धति में मास्टर्स	पूर्ण भुगतान	14000	-	14000
	किश्त विधि	7500	7500	15000

भृगु नंदी नाड़ी में मास्टर्स (MKP) (अवधि- 1 साल)

कोर्स: - भृगु नंदी नाड़ी ज्योतिष कोर्स

कोर्स की अवधि: - भृगु नंदी नाड़ी ज्योतिष कोर्स

मॉड्यूल की संख्या: - 12 (6 बेसिक लेवल + 6 एडवांस लेवल)

ऑनलाइन कक्षाओं की संख्या: - 22 से 25 (सप्ताह में 2 दिन 1.30 घंटे प्रति सत्र)

व्यावहारिक चार्ट अध्ययन की संख्या: - लगभग 30 से 35

कोर्स के प्रमुख बिन्दु

भृगु नंदी नाड़ी (BNN) की मूल बातें और अवधारणा, BNN के मूल नियम और सूत्र, BNN में बृहस्पति और शनि के महत्वपूर्ण नियम, विभिन्न राशियों में ग्रहों की युति और संबंध का परिणाम, जन्म कुंडली पर सभी ग्रहों का गोचर। जन्म कुंडली पर सभी नौ ग्रहों के गोचर के माध्यम से जीवन की घटनाओं के समय की गणना कैसे करें।

भृगु नंदी नाड़ी पाठ्यक्रम का विस्तृत पाठ्यक्रम

सरल नियम, अधिक पूर्वानुमानित, अधिक सटीकता, अधिक व्यावहारिक जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं की गणना

1. बच्चे (बाल योग)
2. शिक्षा:-शिक्षा स्ट्रीम, शिक्षा अवकाश
3. पेशा:- नौकरी या व्यवसाय, पदोन्नति, स्थानांतरण, पेशे में वृद्धि, व्यवसाय में घाटा, व्यवसाय में वृद्धि, सर्वश्रेष्ठ करियर लाइन, अमीर या गरीब, कितनी संपत्ति।
4. संपत्ति:- कितने घर, कितनी कारें, फ़ैट, घर, व्यावसायिक संपत्ति, कृषि भूमि, फ़ार्महाउस, कारखाने आदि।
5. विवाहित जीवन:- अरेंज मैरिज, लव मैरिज, जीवन में तलाक संघर्ष, गर्भपात
6. विदेश यात्रा, विदेश में बसना, विदेशी आय
7. भाग्य उदय समय
8. मुकदमेबाजी:- कोर्ट केस का प्रकार, कोर्ट केस में जीत / हार, जेल योग
9. स्वास्थ्य समस्या

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	प्रथम किश्त (प्रवेश के समय)	द्वितीय किश्त (30 दिनों में)	कुल योग
भृगु नंदी नाड़ी में मास्टर्स	पूर्ण भुगतान	14000	-	14000
	किश्त विधि	7500	7500	15000

पी. एच. डी कोर्स (विद्या वाचस्पति)

उपलब्ध कोर्स

1. ज्योतिष में विद्या वाचस्पति
2. वास्तु शास्त्र में पीएचडी विद्या वाचस्पति
3. हस्तरेखा विज्ञान में पीएचडी विद्या वाचस्पति
4. अंकशास्त्र में पीएचडी विद्या वाचस्पति
5. टैरो रीडिंग में पीएचडी विद्या वाचस्पति
6. भृगु नंदी नाड़ी ज्योतिष में पीएचडी
7. रेकी और हीलिंग में पीएचडी
8. ध्वनि चिकित्सा में पीएचडी
9. फेंग शुई में पीएचडी
10. रत्न और क्रिस्टल में पीएचडी
11. केपी ज्योतिष में पीएचडी।

योग्यता

1. किसी भी विषय में स्नातक.
2. ज्योतिष/वैदिक वास्तु/हस्तरेखा/अंकशास्त्र/टैरो रीडिंग में प्रमाणित एडवांस लेवल सर्टिफिकेट। उसी विषय में 5 वर्ष का अनुभव।
3. उसी स्ट्रीम में अनिवार्य मास्टर्स लेवल कोर्स जिसमें पीएचडी की जानी है। पूरा किया।
4. रेकी में पीएचडी के लिए ग्रैंड मास्टर्स डिग्री आवश्यक है।

कोर्स की अवधि

1 वर्ष और 6 महीने (1.6 वर्ष)

शुल्क का विवरण

विवरण	फिस भुगतान विधि	1st किश्त (प्रवेश के समय)	2nd किश्त (30 दिनों में)	3rd किश्त (60 दिनों)	4th किश्त (90 दिनों)	5th किश्त (120 दिनों)	6th किश्त (180 दिनों)	7th किश्त (240 दिनों)	कुल योग
पी. एच. डी विद्या वाचस्पति कोर्स	पूर्ण भुगतान	45000	-	-	-	-	-		45000
	किश्त विधि	12000	6000	6000	6000	6000	6000	6000	48000

चरण

1. फीस के भुगतान के बाद, प्री-टेस्ट लिया जाएगा।
2. दिए गए विषयों में से एक विषय चुनें।
3. विषय के चयन के बाद, गाइड उपलब्ध कराया जाएगा जो निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करेगा।
4. 3 महीने के भीतर सारांश की 3 प्रतियां (कॉलेज, गाइड और छात्र के लिए प्रत्येक प्रति) तैयार करें।
5. शोध अवधि के दौरान शोधकर्ता को एक लेख प्रकाशित करना चाहिए ज्योतिष पत्रिका
6. शोध का सत्र कार्य समय पर प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
7. शोध (निष्कर्ष) व्यावहारिक अनुप्रयोग पर आधारित होना चाहिए।
8. न्यूनतम नमूना 150 होना चाहिए।
9. टाइप की गई थीसिस के 3 सेट जमा किए जाने चाहिए।
10. थीसिस जमा करने के 3 महीने के भीतर मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी।
11. शोधकर्ता प्रमाणित करना होगा कि उनका शोध मौलिक (प्रथम हाथ) है।
12. प्रवेश के 18 महीने बाद जुर्माना जमा करके विस्तार दिया जाएगा।
13. यह डिग्री पीएचडी के बराबर है। लेकिन शोधकर्ता किसी भी सरकारी पद के लिए योग्य नहीं है। .
14. सभी विवाद उदयपुर क्षेत्राधिकार के अधीन होंगे।

श्री महर्षि कॉलेज ऑफ वैदिक एस्ट्रोलॉजी

THE HARMONY OF SPACE AND ELEGENCE | A UNIT OF SMCVA SOCIETY

+91 294 2427211, +91 7023419351

info@mcvudaipur.com | mcvaadmission@gmail.com

www.mcvudaipur.com | www.mcvaindia.com

301, Arihant Plaza, Udaipole, Udaipur-313001 (Rajasthan) INDIA